

# डॉ. रॉबर्ट सी. न्यूमैन, सिनाॉटिक गॉस्पेल, व्याख्यान 7, दृष्टांत व्याख्या - विवाह भोज का दृष्टांत

© 2024 रॉबर्ट न्यूमैन और टेड हिल्डेब्रांट

हम यहाँ समकालिक सुसमाचारों पर अपना पाठ्यक्रम जारी रख रहे हैं। हम दृष्टांतों पर इकाई 5 में हैं, और अभी कुछ समय पहले, हमने दृष्टांतों की परिभाषाओं को देखने में थोड़ा समय बिताया और इस बारे में भी कि दृष्टांत किस तरह कहानियों, सादृश्यों या उदाहरणों के रूप में काम करते हैं। अब हम एक विशेष दृष्टांत पर नज़र डालने जा रहे हैं, और यह मैथ्यू अध्याय 22:1 से 14 में विवाह भोज का दृष्टांत होगा।

हम यहाँ फिर से अपने अनुवाद के साथ आगे बढ़ेंगे, और कभी-कभी मैं अनुवाद से संबंधित कुछ वस्तुओं का संदर्भ दूंगा। मत्ती 22:1, और यीशु ने फिर से दृष्टान्तों में उनसे बात करते हुए उत्तर दिया, स्वर्ग का राज्य एक मानव राजा के समान है जिसने अपने बेटे के लिए विवाह का उत्सव मनाया, और उसने आमंत्रित लोगों को बुलाने के लिए दासों को भेजा, उन लोगों को बुलाओ जिन्हें शायद पहले से आमंत्रित किया गया था, लेकिन वे आने के लिए तैयार नहीं थे। फिर उसने अन्य दासों को यह कहते हुए भेजा, आमंत्रित लोगों से कहो, देखो, मैंने अपना भोजन तैयार कर लिया है।

मेरी नीलामी और मोटे-ताजे मवेशी कट चुके हैं, और सब कुछ तैयार है। दावत में आ जाओ। लेकिन कुछ लोग बेफिक्र होकर चले गए, कोई अपने खेत में, कोई दुकान पर।

बाकी लोगों ने उसके गुलामों को पकड़ लिया, उनके साथ दुर्व्यवहार किया और उन्हें मार डाला। अब राजा क्रोधित हो गया। उसने अपनी सेना भेजी, उन हत्यारों को नष्ट कर दिया और उनके शहर को जला दिया।

तब उसने अपने दासों से कहा, "भोज तैयार है, परन्तु जो बुलाए गए हैं वे अयोग्य हैं। इसलिये नगर के फाटकों पर जाकर जो कोई मिले उसे भोज में बुलाओ।" तब वे दास सड़कों पर गए और जो कुछ मिला, चाहे बुरा, चाहे अच्छा, सब ले आए, और भोज मेहमानों से भर गया।

अब, जब राजा मेहमानों को देखने के लिए अंदर गया, तो उसने एक आदमी को देखा जो उत्सव के कपड़े नहीं पहने हुए था। उसने उससे पूछा, दोस्त, तुम शादी के कपड़े के बिना यहाँ कैसे आ गए? अब, वह चुप था, शायद अचंभित या अचंभित। तब राजा ने अपने सेवकों से कहा, इसके हाथ-पैर बाँध दो। उन्हें बाहर अँधेरे में फेंक दो।

वे वहाँ रो रहे होंगे और दाँत पीस रहे होंगे। क्योंकि बहुतों को बुलाया जाता है, या बहुतों को आमंत्रित किया जाता है, लेकिन कुछ ही चुने जाते हैं, या कुछ ही चुने जाते हैं - उस 14वें श्लोक का अनुवाद करने के वैकल्पिक तरीके।

खैर, यह हमारा दृष्टांत है। आइए यहाँ इसका थोड़ा विश्लेषण करने की कोशिश करें। यह दृष्टांत एक कथा है, ठीक है, इसलिए हम कथा की कुछ विशेषताओं के साथ इस पर हमला कर सकते हैं।

इसमें किरदार हैं, है न? इसमें राजा है, और इसमें नौकर हैं, और इसमें वे लोग हैं जिन्हें पहले आमंत्रित किया गया था, और जिन्हें बाद में आमंत्रित किया गया था, और फिर वह व्यक्ति जिसके पास शादी का परिधान नहीं था। राजा यहाँ वास्तव में सभी बातें बहुत अच्छी तरह से करता है। फिर घटनाएँ हैं।

राजा अपने बेटे की शादी के लिए भोज की तैयारी करता है। राजा आमंत्रित अतिथियों को बुलाने के लिए नौकरों को भेजता है। अतिथि नहीं आते।

राजा उन्हें दूसरा अनुरोध भेजता है, और इनमें से कुछ के पास करने के लिए बेहतर काम होते हैं, और अन्य नौकरों के साथ दुर्व्यवहार करते हैं या उन्हें मार देते हैं। राजा क्रोधित हो जाता है, अपनी सेना को मेहमानों को मारने और शहर को नष्ट करने के लिए भेजता है, और फिर वह नौकरों को प्रतिस्थापन मेहमानों को लाने के लिए भेजता है। वे ऐसा करते हैं, हालांकि ये सभी मेहमान अच्छे नहीं होते हैं।

हमें इस बारे में थोड़ा सोचना होगा। राजा भोज कक्ष में जाता है, एक अतिथि को अनुचित तरीके से कपड़े पहने हुए पाता है, और उसे बाहर निकाल दिया जाता है। दृश्य अधिकतर अनिर्दिष्ट हैं, लेकिन संभवतः, हम सिंहासन कक्ष या उस तरह की किसी चीज़ को देख रहे हैं जहाँ वह अपने सेवकों को भेजता है, और फिर जहाँ भी अतिथि हैं, और वे संभवतः शहर में हैं, और फिर वहाँ भोज कक्ष है।

कथानक। मुझे लगता है कि वेलिस के पास वास्तव में एक से अधिक कथानक हैं। एक कथानक, जो यहाँ स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, एक विनम्र आमंत्रण को अस्वीकार कर दिया जाता है, और आप सोच सकते हैं कि इसमें क्या-क्या अंतर्धाराएँ हैं।

खैर, मुझे लगता है कि प्रतिक्रियाएँ उदासीनता और विद्रोह को दर्शाती हैं, और विद्रोह का न्याय किया जाता है, और फिर वास्तव में आने वाले अन्य लोगों को एक अनुग्रहपूर्ण निमंत्रण दिया जाता है, लेकिन उदासीनता का भी न्याय किया जाता है। अगर हम वाइल्डर के कहानी कहने के उपकरणों के बारे में सोचें, तो संक्षेप में, यह एक दृष्टांत के लिए लंबा है, लेकिन यह कहानी के लिए छोटा है। एकीकृत, हाँ, लेकिन अंत में कुछ हद तक असामान्य विस्तार के साथ, यह इस दूसरे अतिथि के लिए बदलाव है।

सीमित संख्या में क्रियाएँ या सीमित संख्या में अभिनेता, माफ़ कीजिए, दो का नियम। खैर, राजा, नौकर, मेहमान, अनुचित तरीके से बंद किए गए मेहमान, अभिनेताओं की एक उचित संख्या, लेकिन उनमें से केवल दो ही वास्तव में बोलते हैं। प्रत्यक्ष प्रवचन, हाँ।

सेना की गतिविधियों को छोड़कर, धारावाहिक विकास, उस जगह तक चलता है जहाँ राजा अपनी सेना भेजता है और फिर आपको बताता है कि उसके साथ क्या होता है। सेना शहर को

जला देती है लेकिन फिर वापस आती है, संभवतः उसी समय जब उसने उन्हें भेजा था, और राजा ने अन्य नौकरों को भेजकर जगह को भरने के लिए अतिरिक्त मेहमानों को लाने के लिए कहा। तीन का नियम: ठीक है, तीन निमंत्रण हैं, जो बहुत स्पष्ट नहीं है, लेकिन, ठीक है, यह चार निमंत्रण भी हो सकते हैं, इसलिए तीन हैं जो स्पष्ट हैं।

वह पहले नौकरों को बाहर भेजता है, उन्हें मना कर दिया जाता है, वह उन्हें फिर से उसी समूह में भेजता है, और उन्हें अनदेखा किया जाता है या उनके साथ बुरा व्यवहार किया जाता है, और फिर वह तीसरा निमंत्रण भेजता है, जो इस नए समूह को जाता है। और फिर हमें तीन तरह की प्रतिक्रियाएँ मिलती हैं, हम कह सकते हैं। वे जो सोचते हैं कि उनके पास करने के लिए बेहतर काम हैं, वे जो नौकरों को पीटते हैं, और फिर यह जो अनुचित परिधान में आता है, अगर आप चाहें तो।

दोहराव, निश्चित रूप से तीन के नियम में दोहराई गई चीजों के साथ, आप उस तरह की कुछ पुनरावृत्ति देखते हैं। द्विआधारी विरोध, काला बनाम सफेद, उन मेहमानों के चरित्र में देखा जा सकता है जो बहुत अच्छे नहीं दिखते हैं, हालांकि हमारे पास यहाँ अच्छे मेहमानों के बारे में स्पष्ट रूप से कुछ भी नहीं बताया गया है, ठीक है, इसलिए यह वास्तव में केवल बुरे मेहमान हैं जिन्हें हम देख रहे हैं। तनाव का अंत, ठीक है, अनुचित तरीके से कपड़े पहने हुए व्यक्ति के साथ कठोर व्यवहार निश्चित रूप से अंत में ध्यान आकर्षित करता है।

जैसा कि वाइल्डर कहते हैं, अक्सर दृष्टांत, वास्तव में कहानी सुनाने वाले होते हैं, इसलिए कहानियों में, जैसा कि वाइल्डर कहते हैं, उलटफेर द्वारा समाधान होता है, और हमारे पास एक लड़का है जो भोज कक्ष में है और फिर निश्चित रूप से वहाँ किसी प्रकार का उलटफेर हो रहा है। आमतौर पर, यह दो-स्तरीय होता है। खैर, यह एक दो-स्तरीय कहानी है, ठीक है? हम यहाँ नीचे स्वर और वाहन को देखेंगे, और हम आपको दो-स्तर पर एक नज़र डालेंगे। खैर, यह एक दृष्टांत है, और यह नमूना दृष्टांतों में से एक नहीं है, जैसा कि हम देखेंगे जब हम इसके बारे में सोचना शुरू करेंगे, इसलिए यह किसी प्रकार का सादृश्य है।

यहाँ पहले से ही आरंभिक पद द्वारा सुझाया गया स्वर, जहाँ यीशु कहते हैं कि स्वर्ग का राज्य एक मानव राजा की तरह है जिसने विवाह भोज दिया, आदि। यह वास्तविक आरंभ आपको कुछ और दिखाता है जो यीशु के दृष्टांतों में काफी सामान्य है, और वह यह है कि जब वह स्वर्ग का राज्य या ऐसा कुछ कहता है, और फिर उसके ठीक बाद उसके पास एक संज्ञा होती है, और प्रश्न यह है कि क्या आपको उस संज्ञा के साथ स्वर्ग के राज्य की पहचान करनी है, स्वर्ग के राज्य को एक राजा के साथ, या क्या आप स्वर्ग के राज्य को पूरी कहानी के साथ पहचानते हैं, और आपको देखना होगा कि उनमें से कौन सा घटित होता है, और आप देखते हैं कि रब्बी के दृष्टांतों और यीशु के दृष्टांत दोनों में यह ऐसा है, और कभी-कभी यह अगली वस्तु का उल्लेख होता है जो ऐसा है, लेकिन अक्सर यह पूरी कहानी होती है। तो यह स्वर हमें स्वर्ग के राज्य के बारे में कुछ बताता है।

वाहन, जैसे हमें यह बताया जा रहा है, का अर्थ है एक विवाह भोज की कहानी, और यहाँ मुख्य सादृश्य, मुझे लगता है कि आप देख सकते हैं, वाहन में राजा है, और यदि आप चाहें तो आमंत्रित

लोगों पर मुख्य जोर दिया गया है, और इसलिए सादृश्य यह है कि भगवान मनुष्यों के लिए वैसे ही हैं जैसे राजा आमंत्रित लोगों के लिए हैं। तो, आप जो प्राप्त कर रहे हैं, वह वास्तव में, यीशु के दृष्टांतों में एक बहुत ही सामान्य छवि है और रब्बी के दृष्टांतों में एक बहुत ही सामान्य छवि है, और वह है भगवान राजा है। अक्सर, जब आप यीशु के दृष्टांतों या रब्बी के दृष्टांतों में एक राजा को देखते हैं, तो दस में से नौ से अधिक मामलों में, राजा भगवान है।

इसलिए, यीशु का एकमात्र दृष्टांत जिसके बारे में मैं सोच सकता हूँ, जहाँ ऐसा नहीं है, वह है कि यदि राजा के पास 10,000 सैनिक हैं और वह 20,000 सैनिकों को लाने वाले किसी व्यक्ति से मिलने जा रहा है, तो वह बैठकर यह नहीं सोचता कि वह समस्या को संभाल सकता है या नहीं। यहाँ स्पष्ट रूप से, ऐसा नहीं है कि भगवान राजा नहीं हैं, लेकिन आपको कल्पना करनी है कि आप राजा हैं और इस बारे में सोचना है कि आप इस तरह की किसी चीज़ को कैसे संभालेंगे। समानता के बिंदु, मैं उन्हें यहाँ उस तरह से संरचित नहीं करूँगा जैसा कि हम साइडर के समानता के विस्तृत बिंदुओं पर काम करते समय करते, लेकिन टेनर की कहानी में, आपके पास नौकर हैं जो आमंत्रित लोगों को बुलाते हैं, और आप खुद से पूछते हैं, यह किससे मेल खाता है? खैर, भगवान के सेवक, इसलिए शिष्य, ईसाई, उस तरह का कुछ, और खोए हुए लोगों को आमंत्रित करना, अगर आप चाहें तो बचाए नहीं गए लोगों को भगवान के भोज में आने के लिए आमंत्रित करना।

तो यह एक और समानता है, अगर आप चाहें, या समानता के बिंदु। मुझे लगता है कि आमंत्रण का जवाब शायद बहुत सीधा है। यानी, वे कहानी में स्वर और वाहन दोनों में एक ही तरह से काम करते हैं।

कुछ लोग परवाह नहीं करते, ठीक है? वे अपने खेत या अपनी दुकान पर जाना या ऐसा कुछ करना अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं, अगर आप चाहें, और हमें सुझाव देते हैं कि कुछ लोग जो सुसमाचार प्रस्तुति सुनते हैं, वे परवाह नहीं करेंगे। उनके लिए अन्य चीजें अधिक महत्वपूर्ण हैं। दूसरी प्रतिक्रिया कुछ उत्पीड़न है, और मुझे लगता है कि ऐसा बहुत कम हुआ है, जब यीशु ने अपना दृष्टांत दिया था।

यह संभव है कि शिष्यों को एक या दो शहरों से भगा दिया गया हो या ऐसा ही कुछ, लेकिन असली उत्पीड़न तब तक नहीं होता जब तक कि यीशु को सूली पर चढ़ाया नहीं जाता और वे जी उठते हैं, और तब शिष्य बाहर जाने लगते हैं। इसलिए, यदि आप चाहें तो, आमंत्रणों के जवाब में, कुछ लोग सताते हैं। और फिर तीसरी प्रतिक्रिया, कुछ लोग आते हैं, और इसलिए जैसे कुछ आमंत्रित लोग विवाह भोज में आते हैं, वैसे ही कुछ लोग जिन्हें हम मसीह के पास आने के लिए बुलाते हैं, वास्तव में आएंगे।

राजा के जवाब में हम कुछ और समानताएँ देखते हैं। वह अस्वीकार करने वालों पर न्याय करता है, और यह वास्तव में केवल उन लोगों के संदर्भ में देखा जाता है जो उसके सेवकों को पीटते हैं, जहाँ वह उन पर न्याय करता है, उनके शहर को जला देता है, और उन हत्यारों को मार डालता है, जैसा कि गद्यांश में कहा गया है। लेकिन हम यह नहीं देख पाते हैं कि वह उन लोगों के साथ क्या करता है जो परवाह नहीं करते हैं जब तक कि हम कल्पना न करें कि वे उसी शहर में हैं।

लेकिन मुझे लगता है कि मूल रूप से यह उन चीजों में से एक है जहां एक दृष्टांत को छोटा रखना सभी मामलों का पीछा नहीं करता है, जैसे कि पाउंड के दृष्टांत के साथ, कहानी उदाहरण 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10 के बाद भी नहीं जाती है। इसके अलावा, राजा की प्रतिक्रिया के साथ, हम देखते हैं कि वह लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगा, और यह, मुझे लगता है, शादी के कपड़े के बिना आदमी के संबंध में काफी स्पष्ट है। तो, यह एक सादृश्य के रूप में दृष्टांत पर एक त्वरित नज़र है।

इस अर्थ में पृष्ठभूमि को देखना सहायक है। मूल श्रोताओं ने इस विशेष दृष्टांत के बारे में क्या समझा होगा? हम अब घटनाओं के सदियों बाद आने वाली और भी बातों को समझेंगे, और देखेंगे कि कुछ बातें कैसे सामने आईं। लेकिन वे पृष्ठभूमि में और क्या समझ पाए?

खैर, इसके कुछ प्रतीकवाद। रब्बियों की तरह यीशु के दृष्टांत अक्सर पुराने नियम से लिए गए सामान्य रूपकों का उपयोग करते हैं। इस दृष्टांत में, यह निष्कर्ष निकालना बहुत सुरक्षित है कि राजा ईश्वर का प्रतिनिधित्व करता है, और यह स्पष्ट रूप से पुराने नियम की तस्वीर है। मलाकी आदि कहते हैं कि ईश्वर एक महान राजा है, और यह बार-बार दिखाई देता है।

और जैसा कि मैंने कहा, यह यीशु के दृष्टांतों और रब्बी के दृष्टांतों में भी काफी हद तक दिखाई देता है। तो फिर भगवान राजा का प्रतिनिधित्व क्यों करते हैं? पुराने नियम का सामान्य रूपक, नए नियम का सामान्य रूपक। यह दृष्टांत के प्रवाह के अनुकूल है, खासकर अंत में व्याख्यात्मक संकेतों के मद्देनजर।

बाहरी अंधकार, रोना और दांत पीसना यीशु के कई दृष्टांतों में दिखाई देते हैं और स्पष्ट रूप से हम इन्हें अनंत निंदा के लिए व्यंजना कह सकते हैं। यहाँ दो अन्य प्रतीक विवाह और भोज प्रतीक होते हैं। तो, सवाल यह है कि उनका उपयोग कैसे किया जाता है? विशेष रूप से, पुराने नियम में उनका प्रतीकात्मक रूप से कैसे उपयोग किया जाता है? खैर, सबसे पहले, विवाह।

विवाह अक्सर ईश्वर और उसके लोगों का प्रतीक होता है। कुछ उदाहरण यशायाह 54:5 से 7, न्यू अमेरिकन स्टैंडर्ड अपडेटेड हैं, क्योंकि तुम्हारा पति तुम्हारा निर्माता है, यशायाह इस्राएल से कहता है, जिसका नाम सेनाओं का यहोवा है, और तुम्हारा छुड़ानेवाला इस्राएल का पवित्र है, जिसे सारी पृथ्वी का परमेश्वर कहा जाता है। क्योंकि यहोवा ने तुम्हें एक त्यागी हुई और मन में दुखी पत्नी के समान बुलाया है, यहाँ तक कि एक जवानी की पत्नी के समान जिसे त्याग दिया गया हो, तुम्हारा परमेश्वर कहता है।

कुछ समय के लिए, मैंने तुम्हें त्याग दिया, लेकिन बड़ी दया के साथ, मैं तुम्हें वापस ले लूँगा। तो यहाँ पति के रूप में परमेश्वर और पत्नी के रूप में इस्राएल की तस्वीर है, और यहाँ एक अस्वीकृत पत्नी है जिसे वापस बुलाया गया है, मुझे लगता है, युग के अंत की ओर देखते हुए। होशे अध्याय 1 से 3, बेशक, विवाह के संदर्भ में एक बहुत ही प्रभावशाली दृष्टांत है जो परमेश्वर और इस्राएल के बीच के रिश्ते को दर्शाता है।

वहाँ, होशे 1-2 में भविष्यवक्ता को निर्देश दिया गया है, जब प्रभु ने पहली बार होशे के माध्यम से बात की, प्रभु ने होशे से कहा, जाओ और अपने लिए एक वेश्या से विवाह करो, और वेश्या से

बच्चे पैदा करो, क्योंकि यह देश प्रभु को त्यागकर घोर वेश्यावृत्ति करता है। और फिर होशे के गोमेर से विवाह करने, और फिर गोमेर और होशे के बच्चे होने, या कम से कम गोमेर के बच्चे होने, और फिर अंततः वह अपने अन्य प्रेमियों के साथ भाग जाती है, आदि, और फिर उसे वापस लाया जाएगा, और वह वास्तव में अनिश्चित स्थिति का समय बिताएगी, जहाँ वह किसी और के साथ संबंध नहीं रखेगी, लेकिन होशे के साथ संबंध नहीं रखेगी, यह दर्शाने के लिए कि अंत की घटनाएँ एक साथ आने से पहले परमेश्वर इस्राएल के साथ कैसे व्यवहार करने जा रहा है। यहजेकेल अध्याय 16 निश्चित रूप से परमेश्वर के अपने लोगों से विवाहित होने के इस विचार को उठाता है, और निश्चित रूप से, सुलैमान के गीत की पारंपरिक व्याख्या भी उसी दिशा में जाती है।

तो यह विवाह है, और जैसा कि मैंने कहा, यह अक्सर बाइबल में ईश्वर और उसके लोगों के लिए प्रतीकात्मक है, और इसलिए इसे सुनने वाले श्रोताओं को यह पता होगा। दिलचस्प बात यह है कि दृष्टांत मुख्य रूप से भोज के बारे में है, लेकिन इसमें उल्लेख किया गया है कि यह एक विवाह भोज है, जो निश्चित रूप से कई अन्य की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण होगा, और फिर यह भी उल्लेख किया गया है कि यह राजा के बेटे का विवाह भोज है, और दृष्टांत में इसके बारे में और कुछ नहीं कहा गया है, लेकिन मुझे लगता है कि इसे एक व्याख्यात्मक संकेत के रूप में छोड़ दिया गया है। भोज, एक आकृति के रूप में, पुराने नियम में इतना स्पष्ट नहीं है, लेकिन नए नियम और रब्बी साहित्य में अधिक बार आता है।

हालाँकि, कुछ पुराने नियम की संभावनाएँ, यशायाह 25 आयत 6 से 8। सेनाओं का प्रभु इस पर्वत पर सभी लोगों के लिए एक भव्य भोज तैयार करेगा। चाहे यह पर्वत कोई भी हो, हम नहीं जानते कि यशायाह यह घोषणा करते समय कहाँ खड़ा है - पुरानी शराब, मज्जा के साथ बढ़िया टुकड़े, और परिष्कृत पुरानी शराब का भोज।

इस पर्वत पर, वह सभी लोगों को ढकने वाले आवरण को निगल जाएगा, यहाँ तक कि वह परदा भी जो सभी राष्ट्रों पर फैला हुआ है। वह हमेशा के लिए मृत्यु को निगल जाएगा, और प्रभु परमेश्वर सभी चेहरों से आँसू पोंछ देगा, और वह अपने लोगों की बदनामी को पूरी धरती से दूर कर देगा, क्योंकि प्रभु ने कहा है। खैर, मैं कहूँगा कि यह किसी तरह से स्पष्ट रूप से युगांत संबंधी है, अंत में बोलना, क्योंकि यह स्पष्ट रूप से ईश्वर को मानव जाति से मृत्यु को दूर ले जाते हुए चित्रित करता है, इसलिए युग के अंत में किसी तरह का भोज वहाँ चित्रित किया गया है।

23वें भजन में, चरवाहे के भजन में, कुछ लोगों ने पूरे भजन को भगवान चरवाहे और हम भेड़ों के रूप में पढ़ने की कोशिश की है, लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि भजन के बीच में भगवान चरवाहे और हम भेड़ों से लेकर भगवान मेजबान और हम उनके महल में अतिथि, एक राजा मेजबान और हम उनके महल में अतिथि के रूप में एक बदलाव है। यह निश्चित रूप से डेविड के लिए बहुत उपयुक्त है क्योंकि डेविड एक राजा था, माफ कीजिए, डेविड जब छोटा था तो एक चरवाहा था और उसके पास भेड़ें, एक पारिवारिक झुंड था, और फिर भगवान, फिर डेविड एक राजा बन गया, और उसके घर में मेहमान हैं जैसा कि राजाओं के साथ काफी आम है, और हम वास्तव में उनमें से कुछ के नाम जानते हैं। वह व्यक्ति जो कि योनातान का पुत्र है, मपीबोशेत, एक प्रकार से आजीवन अतिथि के रूप में लाया जाता है और राजा की मेज पर भोजन कराता है, और फिर जब

दाऊद अबशालोम से भाग जाता है और वापस आ रहा होता है, तो नदी के उस पार रहने वाले उन लोगों में से एक, जिसने उसका आतिथ्य किया था, बर्जिल्लै है, और वह एक बूढ़ा व्यक्ति है।

मुझे नहीं पता कि इससे वह कितने साल का हो जाएगा, लेकिन वह कहता है, आप जानते हैं, भोजन के स्वाद की सराहना करने के लिए बहुत बूढ़ा और संगीत और नृत्य आदि की सराहना करने के लिए बहुत बूढ़ा। इसलिए, वह कहता है, किम हाम को लें, और हमें कभी नहीं बताया गया कि वह कौन है, लेकिन लगभग निश्चित रूप से वह एक बेटा या पोता या ऐसा ही कोई व्यक्ति होगा, और इसलिए किम हाम राजा के घर में आजीवन अतिथि बन जाता है। इसलिए, जब भजन 23 कहता है, तू मेरे शत्रुओं की उपस्थिति में मेरे सामने एक मेज तैयार करता है, तूने मेरे सिर पर तेल लगाया है, मेरा प्याला छलक गया है, तो हम शायद उस तरह की स्थिति में एक भोज दृश्य प्राप्त कर रहे हैं, जिसमें दाऊद अब खुद को एक राजा के घर में आजीवन अतिथि के रूप में देखता है, और परमेश्वर राजा है, और वह अतिथि है।

उससे ठीक एक भजन पहले, भजन 22, वहाँ एक ऐसे व्यक्ति की तस्वीर है जो अपने शत्रुओं और उस तरह की चीजों से घिरा हुआ था, वह भजन शुरू होता है, मेरे परमेश्वर, मेरे परमेश्वर, तूने मुझे क्यों त्याग दिया, और इस निराश व्यक्ति की सारी पुकार, और फिर यह अचानक अंतिम, मान लीजिए, दस छंदों में स्तुति के भजन में बदल जाता है, और भजनकार कहता है, तेरी ओर से बड़ी सभा में मेरी स्तुति आती है, मैं अपने मन्त्रों उनके सामने पूरी करूँगा जो उससे डरते हैं, दीन-दुखी लोग खाएँगे और तृप्त होंगे, जो लोग उसे खोजते हैं वे सब यहोवा की स्तुति करेंगे, तेरा हृदय सदा जीवित रहे। यह एक मन्त्रत भोज की तरह लगता है। प्रक्रियाओं में से एक, जिसके बारे में हम बहुत अधिक नहीं जानते, लेकिन पुराने नियम में यहां-वहां इसका उल्लेख है, वह यह है कि एक निश्चित प्रकार की भेंट, व्रत की भेंट, के लिए पशु का एक बड़ा हिस्सा भेंटकर्ता के पास वापस आता है, और वह व्यक्ति उस चीज को तैयार करता है और अपने मित्रों के लिए भोजन करता है, और जाहिर है कि यह आमतौर पर मंदिर परिसर में कहीं होता है, और मूल रूप से यह उस व्यक्ति की प्रार्थना का उत्तर देने वाले ईश्वर के लिए उत्सव की भेंट है, जिसके लिए व्रत उसका एक हिस्सा है, यदि आप मेरे लिए यह करते हैं प्रभु, तो मैं यह करूँगा, आदि।

और इसलिए यहाँ जाहिर है, हमारे पास एक व्रत भोज की कुछ तस्वीर है, और फिर भी यह उस व्यक्ति के उद्धार की खबर होगी जिसे भगवान ने त्याग दिया है, जिसके हाथ और पैर छिदे हुए हैं, जो, आप जानते हैं, मौत की धूल में पड़ा है, और जिसकी जीभ उसके मुँह की छत से चिपकी हुई है, और उसकी सभी हड्डियाँ दिखाई दे रही हैं, आदि। उसे छुड़ाया गया है, और यह पीढ़ियों के लिए विश्व समाचार बनने जा रहा है। यह अंत में दिलचस्प है।

तो यहाँ फिर से एक भोज का दृश्य है, और मुझे ऐसा लगता है कि यह भी युगांतशास्त्रीय है, इसलिए इन तीन में से कम से कम दो लोग किसी तरह के अंत समय के भोज को देख रहे थे, और मुझे लगता है कि रब्बियों ने इसे मसीहाई भोज कहा होगा, जो कि अब इंजील मंडलियों में भी इस्तेमाल किया जा रहा है। तो, विवाह, ईश्वर का मानवजाति से संबंध, या विशेष रूप से उसके लोगों से, भोज, विशेष रूप से यदि इसमें युगांतशास्त्रीय अर्थ, मसीहाई भोज आदि हैं। एक अन्य संभावित प्रतीकात्मक तत्व परिधान है, इसलिए मैं अपने छात्रों से पूछता हूँ, इस हैंडआउट शीट में जो उन्हें होमवर्क के लिए मिली है, पुराने नियम में परिधानों का प्रतीकात्मक रूप से कैसे उपयोग

किया जाता है। जाहिर है, परिधानों का उपयोग कई तरीकों से गैर-आलंकारिक रूप से किया जाता है, लेकिन कुछ तरीकों से। उदाहरण के लिए, यदि आप चार या पाँच परिच्छेदों को देखें, जैसे 2 इतिहास 6:41, भजन 132:16, यशायाह 61:10 और 11, तो आप देखेंगे कि इनमें से अंतिम परिच्छेद, भजन 61:10-11 में उद्धार को दर्शाने के लिए वस्त्र का प्रयोग किया गया है।

मैं यहोवा के कारण बहुत आनन्दित होऊँगा, मेरा मन मेरे परमेश्वर के कारण मगन होगा, क्योंकि उसने मुझे उद्धार के वस्त्र पहनाए हैं। उसने मुझे धार्मिकता का वस्त्र पहनाया है, जैसे दूल्हा अपने आप को माला से सजाता है और दुल्हन अपने गहनों से खुद को सजाती है। क्योंकि जैसे धरती अपने अंकुरों को उगाती है और माली बोई गई चीजों को उगाता है, वैसे ही यहोवा सभी राष्ट्रों के सामने धार्मिकता और प्रशंसा को उगाएगा।

तो, यहाँ कपड़ों की एक तस्वीर है जो मोक्ष, धार्मिकता, इस तरह की चीजों का प्रतिनिधित्व करती है। यह हमें अगले विचार अंडरगारमेंट्स की ओर ले जाता है, और वह है धार्मिकता। हमने पहले ही इसे देखा है।

उसने मुझे धार्मिकता के वस्त्र से लपेटा है, और यह भजन 132-9, यशायाह 59 :15-19 में भी होता है, और यहाँ यशायाह 132:9 कैसा दिखता है। अपने याजकों को धार्मिकता के वस्त्र पहनाएँ, अपने धर्मी लोगों को खुशी से गाएँ, और इसकी तुलना जकर्याह 3, 1-10 से करें, जहाँ महायाजक गंदे वस्त्र पहने हुए हैं, और शैतान परमेश्वर के सामने उस पर आरोप लगा रहा है, और फिर परमेश्वर ने उसके वस्त्रों को अच्छे वस्त्रों से बदल दिया है, आदि। तो, धार्मिकता या अधर्म, जिसे आम तौर पर वस्त्रों की स्वच्छता द्वारा दर्शाया जाता है, शायद रंग से दर्शाया जा सकता है या नहीं।

कपड़ों के प्रतीकात्मक उपयोग के कुछ अन्य उपयोग भी हैं। भजन 132:18, शर्म का प्रतीक कपड़ा, यशायाह 63:1-6, प्रतिशोध का प्रतीक कपड़ा, यशायाह 52:1-2, शक्ति का प्रतीक कपड़ा। मैं यहाँ एक पल के लिए रुकता हूँ और थोड़ा पानी लाता हूँ।

इन प्रतीकात्मक तत्वों के अलावा, मैंने उनसे हमारे हैंडआउट शीट में एक और सवाल पूछा कि क्या आपको इस दृष्टांत में कोई पूर्वानुमानित संकेत दिखाई देता है जो सैकड़ों साल बाद वापस देखने पर स्पष्ट हो जाता है। और मैंने सुझाव दिया कि मुझे उनमें से दो दिखाई दिए, मुझे लगता है। एक, यह टिप्पणी कि राजा ने अपने शहर को नष्ट करने के लिए अपनी सेना भेजी थी, अब बहुत स्पष्ट है क्योंकि हम जानते हैं कि यरूशलेम को 70 ईस्वी में रोमनों ने नष्ट कर दिया था। आप कहते हैं कि रोमन भगवान की सेना हैं? क्या वे बुरे लोग नहीं हैं? ठीक है, हाँ, लेकिन यह भी एक बाइबिल विषय है।

यशायाह 10 में परमेश्वर अशशूर को भेजता है, और हबक्कूक में परमेश्वर बेबीलोनियों को भेजता है, और हाँ, लेकिन यदि आप चाहें तो परमेश्वर उस तरह की सज़ा देने के लिए जिसे चाहे इस्तेमाल करता है। दूसरा, मूल अतिथियों द्वारा आमंत्रण ठुकराने और दूसरे समूह द्वारा प्रतिस्थापित किए जाने की तस्वीर, पिछले 2,000 वर्षों में यहूदी अधिकारियों द्वारा यीशु को आधिकारिक रूप से अस्वीकार किए जाने और दुनिया भर के अन्य देशों में सुसमाचार फैलने के मद्देनजर अब स्पष्ट

है। मूल समय में जब यह सुना गया था, तो लोगों ने फरीसियों द्वारा यीशु को ठुकराने और गरीब लोगों द्वारा यीशु को स्वीकार करने के बारे में अधिक सोचा होगा, जो निश्चित रूप से उस समय चल रहा था।

और लूका के महाभोज के समानांतर दृष्टांत में, जो एक राजा के बजाय एक निजी नागरिक है और ऐसा ही है, मुझे लगता है कि आपने इसे थोड़ा और स्पष्ट रूप से समझा होगा, अतिथि सूची को भरने के लिए लोगों को खोजने के लिए शहर में जाना, और फिर जब वे नहीं मिलते, तो शहर से बाहर जाना और ऐसा करना, जो शायद उस बारे में बेहतर तस्वीर पेश करेगा क्योंकि वहाँ प्रतिस्थापन मेहमानों के दो सेट हैं। हम यहाँ किस तरह के सबक पा सकते हैं? और इसे इस तरह से आजमाना दिलचस्प है। हम यीशु के मूल श्रोताओं के लिए किस तरह के सबक पा सकते हैं, फिर हम शुरुआती ईसाइयों के लिए किस तरह के सबक पा सकते हैं, और फिर हम आज के लिए किस तरह के सबक पा सकते हैं जिन्होंने कम से कम कई शताब्दियों के चर्च के इतिहास को देखा है जो शुरुआती ईसाइयों ने नहीं देखा होगा।

खैर, वापस जाओ और मूल श्रोताओं के बारे में सोचो। आपने स्पष्ट रूप से उन लोगों को देखा होगा जो अपने खेत और दुकान पर जाते हैं, और जो व्यक्ति अनुचित वस्त्र पहनकर आता है, भगवान के निमंत्रण को हल्के में लेने का खतरा वहाँ बहुत अधिक दिखाई देता होगा। उन लोगों के संबंध में जिन्होंने नौकरों को पीटा और उनमें से कुछ को मार डाला, मूल श्रोताओं ने निश्चित रूप से एक तरफ मूर्खता और दूसरी तरफ विद्रोह और राजा के प्रस्ताव को अस्वीकार करने की पूरी तस्वीर देखी होगी।

मेरा मतलब है, रुकें, एक मिनट के लिए सोचें। आपको कितनी बार किसी राजा के विवाह भोज में आमंत्रित किया गया है? खैर, हम एक राजशाही समाज में नहीं रहते हैं, इसलिए शायद कभी नहीं। खैर, आपको कितनी बार किसी तरह के राष्ट्रपति भोज में आमंत्रित किया गया है? फिर से जवाब दें: शायद शून्य।

या आपको कितनी बार अपने राज्य के लिए किसी प्रकार के गवर्नर के समारोह में आमंत्रित किया जाता है? या आपके शहर के लिए किसी प्रकार के मेयर के स्वागत समारोह में? मुझे लगता है कि उनमें से अधिकांश को कभी नहीं कहना होगा, ठीक है? तो, यह एक तरह की जीवन में एक बार होने वाली चीज़ है, और यहाँ यह पेश किया जा रहा है, और ये लोग अपने खेत में जाते हैं, अपनी दुकान पर जाते हैं, आदि। यह एक बहुत ही मूर्खतापूर्ण बात है। मुझे लगता है कि मूल श्रोताओं ने भी इसे देखा होगा, क्योंकि वे राजा और ईश्वर के बीच संबंध बनाते हैं, कि यह आने वाले क्रोध की चेतावनी है, और निश्चित रूप से पहले से ही पुराने नियम की एक अच्छी पृष्ठभूमि है, इसलिए यह इस विशेष दृष्टांत में रहस्यमय नहीं होगा।

अब, कल्पना करें कि हम शुरुआती ईसाइयों को देख रहे हैं, और इनमें से कुछ 70 से पहले और कुछ 70 के बाद के हो सकते हैं, इस तरह की चीज़ें। खैर, एक ऐसा व्यक्ति है जो अंदर आता है लेकिन बाहर निकाल दिया जाता है। और यह सब क्या है? खैर, मुझे यकीन नहीं है कि इससे मूल श्रोताओं को क्या संदेश मिला होगा, लेकिन शुरुआती ईसाइयों के लिए, वे पहले से ही देख रहे थे कि यरूशलेम के आधिकारिक यहूदी धर्म ने मसीहा और इस तरह की चीज़ों को अस्वीकार कर

दिया था और अब बहुत सारे गैर-यहूदी चर्च में आ रहे हैं, और फिर भी यह आदमी कौन है जिसके पास वस्त्र आदि नहीं हैं? खैर, ईसाई होने का दावा करने वाले लोगों द्वारा निमंत्रण को हल्के में लेने का खतरा है।

एक सवाल जो अक्सर उठता है, वह यह है कि क्या भगवान ने वस्त्र उपलब्ध कराया होगा, क्या राजा ने इस अतिथि के लिए वस्त्र उपलब्ध कराया होगा, या क्या अतिथि से यह अपेक्षा की गई थी कि उसे अपना वस्त्र मिले? और मैंने लोगों को इस पर तुरंत बहुत ही हठधर्मी उत्तर देते सुना है, लेकिन दृष्टांत हमें कुछ नहीं बताता। और आप कहते हैं, क्या राजा हमेशा वस्त्र उपलब्ध कराते हैं? और मुझे लगता है कि इसका उत्तर है नहीं, लेकिन वे कभी-कभी ऐसा करते हैं। तो, आपके पास दो संभावित उम्मीदवार हैं।

आपके पास हाँ और ना दोनों हैं। अगर राजा वस्त्र प्रदान करता है, तो इसे ईसाई धर्मशास्त्र से देखना आसान है, क्योंकि यह ईश्वर की धार्मिकता है, जिसे उसने उन लोगों को प्रदान किया है जो यीशु पर भरोसा करते हैं। और इसके बिना, आप भोज में शामिल नहीं हैं।

ठीक है। अगर यह वस्त्र राजा द्वारा प्रदान की गई वस्तु के रूप में न देखा जाए, बल्कि आपके द्वारा प्रदान की गई वस्तु के रूप में देखा जाए, तो कैसा रहेगा? खैर, यह कुछ और बात है। और वह यह है कि, जो व्यक्ति वास्तव में आस्तिक है, वह अपनी जीवनशैली में राजा परमेश्वर द्वारा उसके लिए किए गए कार्यों के प्रति एक निश्चित तरीके से प्रतिक्रिया करेगा।

और वह अपने जीवन और उस तरह की चीज़ों को साफ करने की कोशिश करेगा। और हम उस तरह की तस्वीर के लिए बाइबिल के वारंट को देखते हैं। उदाहरण के लिए, भेड़ और बकरी के न्याय के बारे में सोचें और यीशु ने उनसे क्या कहा।

जैसा कि आपने इन लोगों के साथ किया, आपने मेरे साथ भी वैसा ही किया। और यह विश्वासी के लिए ईश्वर की कृपा की बात नहीं है। यह स्पष्ट रूप से एक बहुत बड़ी बात है।

यह हमारी प्रतिक्रिया के बारे में बात कर रहा है। और इसलिए, मैं कहूँगा कि यीशु ने स्पष्ट रूप से जानबूझकर इसे अस्पष्ट छोड़ दिया है ताकि उन दोनों तरीकों को पढ़ा जा सके। इसलिए, प्रारंभिक ईसाइयों के लिए खतरा यह है कि ईसाई होने का दावा करने वाले लोग निमंत्रण को हल्के में लेते हैं, या तो यह सोचकर कि उन्हें ईश्वर की कृपा की आवश्यकता नहीं है या यह सोचकर कि ईश्वर की कृपा प्राप्त करने के बाद, उन्हें कुछ भी करने की आवश्यकता नहीं है।

तो, आप एक तरफ़ से विरोधी लोगों के बारे में सोच सकते हैं और दूसरी तरफ़ से उन लोगों के बारे में जो महसूस करते हैं कि उन्हें अनुग्रह की ज़रूरत नहीं है। तो, शायद उन दोनों खतरों का संकेत वहाँ दिया गया है। इस अंश में अन्यजातियों के लिए सुसमाचार के बारे में भी संकेत है।

और यह बहुत संभव है कि मूल दर्शकों ने यह बिल्कुल नहीं देखा होगा। लेकिन एक सदी या उस तरह से पीछे देखने वाले ईसाइयों ने निश्चित रूप से देखा होगा कि मेहमानों का एक और समूह है, जिसमें वे कौन हैं और वे कौन हो सकते हैं, आदि शामिल हैं। और फिर, जब आप 70 के बाद आते हैं, तो आप देखते हैं कि शहर नष्ट हो चुका है।

और यह, मूल श्रोताओं के लिए, अधिकतर एक चेतावनी होती। बेशक, अगर उन्होंने यीशु की कही हुई सारी बातें सुनी होतीं, निश्चित रूप से सभी प्रवचन या उस तरह की कोई बात, तो उन्होंने देखा होता कि यीशु की शिक्षाओं में स्पष्ट रूप से ऐसी चेतावनी है। लेकिन यहाँ, 70 ई. के बाद यरूशलेम के विनाश से पुष्टि हुई, निश्चित रूप से, मान लीजिए, 30, 33 से, जब भी धरती पर यीशु का मंत्रालय समाप्त हुआ, 70 तक, यहूदियों को यह बहुत उचित लगा होगा कि उन्होंने इस नकली मसीहा से छुटकारा पा लिया है।

और देखिए, हमारे पास मुश्किल से ही यह प्रतिष्ठित यहूदी धर्म है, और आप लोग वही कूड़ा हैं, जैसा कि पॉल ने खुद कहा है, प्रेरितों को धरती का कूड़ा-कचरा और इस तरह की चीजें कहा जाता है। लेकिन 70 ई. के बाद, पूरा मंदिर, राज्य और यरूशलेम सब बर्बाद हो गया, और चीजें थोड़ी अलग दिखीं, हालाँकि उस समय भी ईसाई किसी भी तरह से विजयी नहीं थे। खैर, मुझे लगता है कि हम आगे बढ़ते हैं और सोचते हैं कि यह आज हमारे सामने कैसे आएगा। हम किस तरह की चीजें देख सकते हैं? खैर, इस पूरी चीज़ का अगला हिस्सा हमें पापियों को आमंत्रित करने में भगवान की महान दया दिखाता है।

यहाँ, राजा ने पहले ही इन लोगों को आमंत्रित किया है, और जाहिर है, नौकरों को पता है कि आमंत्रित व्यक्ति कौन हैं, और संभवतः, आमंत्रित व्यक्ति भी इसे जानते हैं। और अब नौकर लोगों को यह बताने के लिए आ रहे हैं कि दावत तैयार है, आँ। यह हमारे समाज से थोड़ा अलग है जिसमें ईमेल और निमंत्रण होते हैं और ऐसी चीजें होती हैं जहाँ आपको निमंत्रण मिलता है और फिर आपसे यहाँ आने की उम्मीद की जाती है, शायद कुछ अनिश्चितता के साथ कि यह वास्तव में कब शुरू होने वाला है क्योंकि सब कुछ तैयार हो रहा है और ऐसा ही कुछ।

वे नौकरों को इधर-उधर भेजते हैं। आप देख सकते हैं कि नौकर हामान को भोज में ले जाने के लिए आते हैं, वगैरह। तो, परमेश्वर की महान दया पापियों को आमंत्रित करती है, और फिर आप उसके अनुग्रहपूर्ण निमंत्रण को अस्वीकार करने में मनुष्य की महान मूर्खता देखते हैं।

आप कुछ और भी देखते हैं, भगवान की महान दया, भगवान के महान क्रोध और न्याय के अलावा, जो उन लोगों पर उतरता है जिन्होंने उसके लोगों के साथ बुरा व्यवहार किया है और उनके शहर को नष्ट कर दिया है और ऐसा ही कुछ। लेकिन आप इस दूसरे व्यक्ति पर भी भगवान के क्रोध और न्याय को देखते हैं जो वहाँ है लेकिन सही वस्त्र के बिना। और यह हमें आखिरी बात की ओर ले जाता है, जिसे हमें आज देखने में सक्षम होना चाहिए, और वह है ईसाई होने का दावा करने वाले को भगवान पर भरोसा नहीं करना चाहिए।

हमें मसीहाई भोज की तैयारी में, ऐसा नहीं सोचना चाहिए कि हमारे खेत या दुकान पर जाना हमारी जीवनशैली और तैयार होने से ज़्यादा महत्वपूर्ण है। खैर, यह दृष्टांतों की हमारी चर्चा है। बहुत सी बातें कही जा सकती हैं, लेकिन यह उनमें से कुछ पर नज़र डालने का एक प्रयास है।

उस विशेष दृष्टांत के बारे में और भी बहुत कुछ कहा जा सकता है, लेकिन यह ईश्वर की दया और फिर भी ईश्वर के न्याय, आने वाले क्रोध की चेतावनी और मनुष्यों को सही तरह की प्रतिक्रिया

करने की आवश्यकता का एक बहुत ही शक्तिशाली दृष्टांत है। ठीक है, हम उस पर आते हैं जो हमने खंड छह, सत्र छह में कहा था, हमारे सिनॉट्रिक गॉस्पेल कोर्स में कुछ ऐसा ही है, और यह साहित्यिक कार्यों के रूप में गॉस्पेल है। और यहाँ हम कई तरह की चीजों के बारे में सोचने जा रहे हैं।